चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समर उजाला.....

दिनांक 12.2.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....5-5.....

कृषि और पशु विज्ञान अलग नहीं, मिल कर काम करना होगा : प्रो. समर सिंह

हिसार(ब्यूरो)। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के नवनियुक्त 30 वैज्ञानिकों के लिए 21 दिन के ओरिएंट्रेशन प्रशिक्षण की शुरुआत वीरवार की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किया। इस दौरान लुवास कुलपति डॉ. गुरदियाल सिंह विशिष्ट अतिथि समारोह में शामिल हुए।

मुख्य अतिथि प्रो. समर सिंह ने कहा कि ओरिएंटेशन प्रशिण से प्रशिक्षणार्थी अपनी कार्यक्षमता में सुधार कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि एवं पशु विज्ञान अलग नहीं है। हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए, ताकि किसानों की आमदनी को बढ़ाया जा सके। विशिष्ट अतिथि डॉ. गुरदियाल सिंह ने कहा कि नए प्राध्यापकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे शिक्षा के स्तर को और ऊंचा उठाएंगे। इसके लिए लगातार अध्ययन की आवश्यकता है। समारोह की शुरुआत में निदेशिका मानव संसाधन विकास डॉ. निर्मल सांगवान बताया कि इन दिनों प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त वैज्ञानिकों को नए परिवेश में अनुकूलन के लिए विभिन्न क्षेत्रों के निपुण व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. हरीश गुलाटी, अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रवीन गोयल, डॉ. डीएस दहिया, डॉ. जगतबीर फोगाट, एसपीओ डॉ. डीएस दलाल, पीआरओ डॉ. अशोक मलिक, डॉ. ढाका व सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**11.02.2021**	--	--

समस्त हरियाणा — बृहस्पतिवार, 11 फरवरी, 2021

बेरोजगार युवाओं के पास नवीनतम आइडिया, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की कमी : प्रो. समर सिंह

एचएयू स्थित एबिक में नाबार्ड की ओर से दो दिवसीय द्विमासिक सरंचित मीट एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम शुरू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। हमारे देश में अधिकतर बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास बेहतरीन नवीनतम आइडिया मौजूद हैं लेकिन कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में व्यावसायिक इकाई खोलने के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता और बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में नाबार्ड की ओर से आयोजित दो दिवसीय द्विमासिक सरंचित मीट एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा ने की।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का युवा नए कौशल को प्राप्त कर और प्रौद्योगिकी के उपयोग संबंधी अनुभव को हासिल करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्हें आगे बढने और उभरने के लिए कुशल उद्यमियों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालय कुशल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने पाठ्यक्रमों में प्रौद्योगिकी एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम व अन्य व्यवहारिक गतिविधियों को शामिल कर रहे हैं। कृषि व उसके सहयोगी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भी एबिक केंद्र की स्थापना की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबंधित क्षेत्र में नवीनतम, कौशल निर्माण एवं उद्यमिता का विकास करना है।

एबिक की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया कि गत वर्ष भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से 11 स्टार्ट अप्स ने अनुदान प्राप्त किया था और इस वर्ष 49 स्टार्ट अप्स का चयन इसी विभाग द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि एबिक केंद्र स्टार्ट अप्स को उपलब्ध तकनीकों से खुद का व्यवसाय स्थापित करने के लिए व रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा ने सभी प्रतिभागियों से इस दो दिवसीय कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय के बारे में विस्तारपूर्वक सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर नाबार्ड के महाप्रबंधक वी.के. बिस्ट, मलकित सिंह आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**11.02.2021**	--	--

शिक्षित युवाओं के पास बेहतरीन आइडियाज मौजूद : कुलपति

हिसार/11 फरवरी/रिपोर्टर

हमारे देश में अधिकतर बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास बेहतरीन नवीनतम आइडिया मौजूद हैं लेकिन कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में व्यावसायिक इकाई खोलने के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता और बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में नाबार्ड की ओर से आयोजित दो दिवसीय द्विमासिक सरंचित मीट एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा ने की। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का युवा नए कौशल को प्राप्त कर और प्रौद्योगिकी के उपयोग संबंधी अनुभव को हासिल करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने और उभरने के लिए कुशल उद्यमियों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालय कुशल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने पाठ्यक्रमों में प्रौद्योगिकी एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम व अन्य व्यवहारिक गतिविधियों को शामिल कर रहे हैं। कृषि व उसके सहयोगी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए हकृवि में भी एबिक केंद्र की स्थापना की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबंधित क्षेत्र में नवीनतम, कौशल निर्माण एवं उद्यमिता का विकास करना है। उन्होंने बताया कि एबिक केंद्र के साथ देशभर के 95 से अधिक इन्क्युबेटिज जुड़े हुए हैं जो खाद्य प्रसंस्करण, कृषि अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक खेती, फार्म मशीनरी, बागवानी, मधुमक्खी पालन, जलीय कृषि आदि के क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। एबिक की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया कि गत वर्ष भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से 11 स्टार्टअप्स ने अनुदान प्राप्त किया था और इस वर्ष 49 स्टार्टअप्स का चयन इसी विभाग द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि एबिक केंद्र स्टार्ट अप्स को उपलब्ध तकनीकों से खुद का व्यवसाय स्थापित करने के लिए व रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम में नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रबंधकों से अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की भी अपील की। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय के बारे में विस्तारपूर्वक सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर नाबार्ड के महाप्रबंधक वीके बिष्ट, मलकित सिंह, सहित नाबार्ड के वरिष्ठ अधिकारी व एबिक की टीम मौजूद थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	**11.02.2021**	--	--

बेरोजगार युवाओं के पास नवीनतम आइडिया, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की कमी : समर सिंह

हिसार/विनोद गांधी

हमारे देश में अधिकतर बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास बेहतरीन नवीनतम आइडिया मौजूद हैं लेकिन कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में व्यावसायिक इकाई खोलने के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता और बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में नाबार्ड की ओर से आयोजित दो दिवसीय द्विमासिक सरंचित मीट एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा ने की। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का युवा नए कौशल को प्राप्त कर और प्रौद्योगिकी के उपयोग संबंधी अनुभव को हासिल करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने और उभरने के लिए कुशल उद्यमियों के सहयोग की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालय कुशल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने पाठ्यक्रमों में प्रौद्योगिकी एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम व अन्य व्यवहारिक गतिविधियों को शामिल कर रहे हैं। कृषि व उसके सहयोगी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भी एबिक केंद्र की स्थापना की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**11.02.2021**	--	--

हिसार आसपास

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सरंचित मीट एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम शुरू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हमारे देश में अधिकतर बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास बेहतरीन नवीनतम आइडिया मौजूद हैं लेकिन कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में व्यावसायिक इकाई खोलने के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता और बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र में नाबार्ड की ओर से आयोजित दो दिवसीय द्विमासिक सरंचित मीट एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि देश का युवा नए कौशल को प्राप्त कर और प्रौद्योगिकी के उपयोग संबंधी अनुभव को हासिल करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने और उभरने के लिए कुशल उद्यमियों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालय कुशल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने पाठ्यक्रमों में प्रौद्योगिकी एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम व अन्य व्यवहारिक गतिविधियों को शामिल कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबंधित क्षेत्र में नवीनतम, कौशल निर्माण एवं उद्यमिता का विकास करना है।

हिसार। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि प्रो. समर सिंह व मौजूद अन्य।

एबिक की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया कि गत वर्ष भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से 11 स्टार्ट अप्स ने अनुदान प्राप्त किया था और इस वर्ष 49 स्टार्ट अप्स का चयन इसी विभाग द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. सहरावत ने विश्वविद्यालय के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर नाबार्ड के महाप्रबंधक वी. के. बिस्ट, मलकित सिंह, सहित नाबार्ड के वरिष्ठ अधिकारी व एबिक की टीम मौजूद थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**11.02.2021**	--	--

बेरोजगार युवाओं के पास नवीनतम आइडिया, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की कमी : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। हमारे देश में अधिकतर बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास बेहतरीन नवीनतम आइडिया मौजूद हैं लेकिन कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में व्यावसायिक इकाई खोलने के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता और बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में नाबार्ड की ओर से आयोजित दो दिवसीय द्विमासिक सरंचित मीट एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा ने की।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का युवा नए कौशल को प्राप्त कर और प्रौद्योगिकी के उपयोग संबंधी अनुभव को हासिल करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने और उभरने के लिए कुशल उद्यमियों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालय कुशल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने पाठ्यक्रमों में प्रौद्योगिकी एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम व अन्य व्यवहारिक गतिविधियों को शामिल कर रहे हैं। कृषि व उसके सहयोगी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए हकृवि में भी एबिक केंद्र की स्थापना की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबंधित क्षेत्र में नवीनतम, कौशल निर्माण एवं उद्यमिता का विकास करना है। उन्होंने बताया कि एबिक केंद्र के साथ देशभर के 95 से अधिक इन्क्युबेटिज जुड़े हुए हैं जो खाद्य प्रसंस्करण, कृषि अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक खेती, फार्म मशीनरी, बागवानी, मधुमक्खी पालन, जलीय कृषि आदि के क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। एबिक की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया कि गत वर्ष भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से 11 स्टार्ट अप्स ने अनुदान प्राप्त किया था और इस वर्ष 49 स्टार्ट अप्स का चयन इसी विभाग द्वारा किया गया है। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा ने सभी प्रतिभागियों से इस दो दिवसीय कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रबंधकों से अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की भी अपील की। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय के बारे में विस्तारपूर्वक सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

इस अवसर पर नाबार्ड के महाप्रबंधक वीके बिस्ट, मलकित सिंह सहित नाबार्ड के वरिष्ठ अधिकारी व एबिक की टीम मौजूद थी।